# संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय, भोपाल

(म.प्र. शासन और राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त तथा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से संबद्ध और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 2(f) एवं 12(b)में मान्यता प्राप्त)

संत हिरदाराम नगर, भोपाल – 462030

दूरभाष – (0755) 2640174, 2640178, 2640631, 2640632, फैक्स – 2640632

Web Site : www.shgc.in E-mail : santhirdaramgirlscollege@yahoo.com


दिनांक : 19.11.2018

## संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में विश्व प्रसिद्ध ट्रान्सफॉर्मेशनल ट्रेनर डॉ. एस. नीलकण्ठन के प्रेरणात्मक सत्र का आयोजन

सोमवार, दिनांक 19.11.2018 को परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी की गरिमामय पावन उपस्थिति में विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र के विशेष वक्ता डॉ. एस. नीलकंठन एवं सत्र का विषय ''पॉवरफुल हेबिट्स एंड साईकोलॉजी फॉर सक्सेस एंड हैप्पीनेस'' था। इस सत्र में शहीद हेमू कालाणी शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष परम श्रद्धेय सिद्धभाऊजी, संस्था के उपाध्यक्ष श्री हीरो ज्ञानचंदानी, संस्था के सचिव श्री ए.सी. साधवानी, संस्था के सह सचिव श्री के.एल. रामनानी, जीव सेवा संस्थान के सचिव श्री महेश दयारामानी, वरिष्ठ शिक्षाविद् श्री विष्णु गेहानी, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चरनजीत कौर, संत हिरदाराम प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हेमांशु शर्मा, संत हिरदाराम प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आशीष ठाकुर, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य श्री मनीष जैन, मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. अजयकान्त शर्मा समस्त प्राध्यापिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी।

डॉ. एस. नीलकंठन ने अपने सत्र के प्रारंभ में एकता को आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। उन्होंने भविष्य की माताओं को अपने बालकों को ''जुड़ना'' सिखाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने सीखने को उम्र भर चलने वाली प्रक्रिया बताया। यदि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन की दिशा समझ आ जाये तो उसकी दशा सुधर सकती है। प्रत्येक स्थान के कुछ नियम होते है और सीखने के लिये जरूरी है कि प्रत्येक छात्र इन नियमों का पालन करें एवं अपने जीवन में एकाग्रचित्त रहे और एकाग्रचित्त रहने के लिये आवश्यक हैं कि वे मोबाईल, सोशल मीडिया का नियंत्रित प्रयोग केवल सकारात्मक उद्देश्यों के लिये करे। किसी भी व्यक्ति के बारे में अपनी राय तबतक न दे जब तक आप

शत प्रतिशत सुनिश्चित न हो। अपने जीवन रूपी बैंक में वही जमा करिये जो आप अपने जीवन में चाहते ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसमें से निकालकर खुद के व दूसरे के जीवन को खुशहाल बना सके। वातावरण हमारे जीवन को सही दिशा देता है अतः वातावरण को सुखद व स्नेहमय बनाने के लिये कार्य करें और स्वयं को अनुकरणीय व्यक्तित्व बनायें।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति सीखकर शिक्षक एवं उत्तरोत्तर लीडर व हीलर बनता है। हीलर वह व्यक्ति है जो स्वयं के संवेगो को नियंत्रित रख अपना भी उपचार करे एवं उसमें दूसरों का उपचार करने की क्षमता हो। वर्तमान समय के अराजक एवं असहिष्णु वातावरण में प्रत्येक व्यक्ति को हीलर होना चाहिये तभी समाज में शांति और सौहार्द कायम रह पायेगा। उन्होंने मदर टेरेसा, स्वामी विवेकानंद, दादा वासवानी एवं संत हिरदाराम साहिब जी जैसे महापुरूषों को हीलर बताते हुए परम श्रद्धेय सिद्धभाऊ जी को उनका उत्तराधिकारी बतायां। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग समाज के हित के लिये निरंतर अपने आसपास के लोगों का मार्गदर्शन करते हुए उत्साहवर्द्धन करते है और इसी कारण उनके सानिध्य में रहने वाले लोग अपनी उच्चतम क्षमता को प्राप्त कर लेते है।

इस कार्यक्रम में संवाद सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर दिये गयें एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।। संस्था द्वारा संचालित महाविद्यालयों/विद्यालयों के अतिरिक्त साधु वासवानी महाविद्यालय, कैरियर कॉलेज, सत्य सांई महिला महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने भी उक्त प्रेरक सत्र का लाभ लिया। संस्था की ओर से अतिथि का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती प्रमिता दुबे परमार द्वारा किया गया।

**डॉ. चरनजीत कौर**

**प्राचार्य**